* जैनेन्द्र कुमार *

- जीवनकाल => 2 Jan. 1905 - 24 dec. 1988
- जन्मस्थल => कौड़ियागंज, अलीगढ़ (UP)

- उपन्यास =>
  - परख => 1929 ई.। प्रेम का आदर्शी करण प्रस्तुत
  - तपोभूमि (1932) => ऋषभचरण जैन के साथ सहलेखन
  - सुनीता => 1935 ई.। प्रमुख पात्र - श्रीकांत, सुनीता, हरिप्रसाद, सत्या। मनोवैज्ञानिक उपन्यास।
  - त्यागपत्र => 1937 ई.। नारी के विद्रोही व्यक्तित्व का चित्रण। प्रमुख पात्र - मृणाल, शीला, प्रमोद
  - कल्याणी => 1939 ई.। विवाह पश्चात् की नारी समस्याओं का अंकन।
  - सुखदा => 1953 ई.। नायिका सुखदा के मनोभावों का अंकन।
  - विवर्त => 1953 ई.। भुवनमोहिनी एवं जितेन की प्रेमकथा का अंकन।
  - व्यतीत => 1953 ई.
  - जयवर्द्धन => 1956 ई.। व्यक्ति की निजता एवं शासन की सामाजिकता का द्वन्द्व चित्रित।
  - मुक्तिबोध => 1965 ई.। 1966 में साहित्य अकादमी
  - अनंतर => 1968 ई.
  - तपोभूमि => 1974 ई.
  - अनाम स्वामी => 1974 ई.। मानव के धार्मिक रूढ़ियों से मुक्त होने का चित्रण।
  - दशार्क => 1985 ई.। विवाह विच्छेद एवं रंगीजीवन की विडम्बना का चित्रण।

• कहानी संग्रह⇒ फाँसी (1929), वातायन (1931), दो चिड़िया (1934), एक रात (1935)
नीलम देश की राजकन्या (1938), ध्रुवयात्रा (1944), पाजेब (1948), जयसंधि (1948)

• प्रथम कहानी 'खेल' 1928 में विशाल भारत में प्रकाशित लेकिन जैनेन्द्र ने स्वयं अपनी प्रथम कहानी 'फोटोग्राफी' को स्वीकृत किया है।

• प्रमुख कहानियाँ⇒ अपना-अपना भाग्य, पाजेब, खेल, एक कैदी, स्पर्धा, पत्नी, बाहुबली
गदर के बाद, मास्टरजी, लाल सरोवर, जाह्नवी, ~~आदि~~ ग्रामोफोन की रिकार्ड

• अपना-अपना भाग्य⇒ गरीबी एवं भाग्य भरोसे छोड़ने की मानसिकता का अंकन। भारतीय पुरुष की मानसिकता, भारतीय नारी एवं पाश्चात्य नारी में अंतर स्पष्ट किया गया। पात्र- वकील, लड़का एवं लेखक स्वयं

• निबंध साहित्य⇒ प्रस्तुत प्रश्न (1936), जड़ की बात (1945), पूर्वोदय (1951)
साहित्य का श्रेय और प्रेय (1953), काम, प्रेम और परिवार (1953), इतस्ततः (1963),
समय और हम (1964), परिप्रेक्ष्य (1977), साहित्य और संस्कृति (1979)

• आत्मकथा⇒ • अपनी कैफियत

* विष्णु प्रभाकर *

- जीवनकाल => 21 June 1912 - 11 April 2009
- जन्म मृत्यु स्थल => ग्राम मीरापुर, मुजफ्फरनगर (UP) में जन्म, दिल्ली में मृत्यु
- माता-पिता => महादेवी - दुर्गाप्रसाद

- उपन्यास =>
  - ढलती रात => 1951 ई.। सन् 1920-36 तक की सामाजिक-राजनीतिक स्थिति का चित्रण।
  - निशिकांत => 1955 ई.

- तट के बंधन => 1955 ई.। प्रेम विवाह एवं नारी मुक्ति का चित्रण।

- स्वप्नमयी => 1956 ई.। स्त्री के काल्पनिक, तर्कातीत एवं स्वप्नमयी जीवन चरित्र का अंकन।
- कोई तो => 1980 ई.। नैतिक रूढ़ियों एवं बलात्कार की शिकार स्त्रियों की समस्या का अंकन।

- अर्द्धनारीश्वर => 1992 ई.। स्त्रियों के बलात्कार एवं यातना का चित्रण। 1993 में साहित्य अकादमी सम्मान

- संकल्प => 1993 ई.। परित्यक्ता स्त्री की मनोदशा का चित्रण।

- कहानी => आदि और अंत (1945), रहमान का बेटा (1947), जिंदगी के थपेड़े (1952), धरती अब भी घूम रही है (1970), साँचे और कला (1962), पुल टूटने से पहले (19[illegible] मेरा वतन (1980), खिलौने (1981), एक और कुंती (1985), जिंदगी एक रिहर्सल (1986), आसमान के नीचे (1989), कर्फ्यू और आदमी (1994), आखिर क्यों (1998), मैं नारी हूँ (2001), जीवन का एक और नाम (2002), ईश्वर का चेहरा (2003)

Camlin

- नाटक => डॉक्टर (1958), युगे युगे क्रांति (1969), टूटते परिवेश (1974), कुहासा और किरण (1975), डरे हुए लोग (1978), बंदिनी (1979), अब और नहीं (1981), सत्ता के आर पार (1981), श्वेत कमल (1984),

- एकांकी => प्रकाश और परछाई, क्या वह दोषी था, दस बजे रात, ऊँचा पर्वत गहरा सागर, ये रेखायें ये दायरे, इंसान

- जीवनी => • आवारा मसीहा => 1974 ई. । बांग्ला के प्रसिद्ध उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन चरित्र का उद्घाटन। तीन पर्वों- दिशाहारा, दिशा की खोज एवं दिशांत में विभक्त हिंदी साहित्य में प्रमुख जीवनी।

- रेखाचित्र => • कुछ शब्द : कुछ रेखाएँ (1965)

- संस्मरण => • मेरे अग्रज मेरे मीत (1983)
  - सृजन के सेतु (1990)
  - यादों की छाँव में

- यात्रा साहित्य => • हँसते निर्झर दहकती भट्ठी (1966)
  - ज्योतिपुंज हिमालय (1982)
  - हमसफर मिलते रहे (1996)

- आत्मकथा => पंखहीन, मुक्त गगन में, पंछी उड़ गया (2004, तीन भाग)

- साहित्य सम्मान => • साहित्य अकादमी सम्मान - 1993 - अर्द्धनारीश्वर
  - सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार

* जैनेन्द्र यशपाल *

- जीवन काल => 3 dec. 1903 - 26 dec. 1976
- जन्म-मृत्यु स्थल => जन्म फिरोजपुर छावनी (पंजाब) एवं मृत्यु वाराणसी में
- माता-पिता => प्रेमदेवी - हीरालाल

- उपन्यास =>
- दादा कामरेड => 1941 ई. । क्रांतिकारी गतिविधियों का विश्वसनीय चित्रण।

- देशद्रोही => 1943 ई. । सन् 1930 से 1942 ई. तक की राजनीतिक गतिविधियों का अंकन।

- दिव्या => 1945 ई. । ऐतिहासिक उपन्यास

- पार्टी कामरेड => 1946 ई. । कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा एवं कार्यक्रम का समर्थन।
- मनुष्य के रूप => 1949 ई.
- अमिता => 1956 ई. । ऐतिहासिक उपन्यास।

- झूठा सच => दो भाग -
  (I) वतन और देश (1958) => राष्ट्र विभाजन और त्रासदी का चित्रण।
  (II) देश का भविष्य (1960) => स्वतंत्रता प्राप्ति एवं देश के विकास तथा देश के भावी विकास में बुद्धिजीवियों के योगदान का यथार्थ अंकन।
  => प्रमुख पात्र - तारा, मनक, शीलो, जगदेवपुरी, गिल, सूद, सोमराज, चड्ढा, असद आदि।

- बारह घंटे => 1962 ई. । पातिव्रत्य संबंधी परंपरागत मूल्यों की व्यर्थता का चित्रण।

- अप्सरा का शाप => 1965 ई. । ऐतिहासिक पौराणिक उपन्यास।

- क्यों फँसे? => 1968 ई. । काम संबंधों की निर्बाध आजादी का चित्रण।

- मेरी तेरी उसकी बात => 1973 ई. । स्वाधीनता आंदोलन और उत्तर भारतीय समाज की राजनीतिक स्थिति का चित्रण।

Camlin

• कहानी संग्रह:- पिंजरे की उड़ान (1939), ज्ञानदान (1943), अभिशप्त (1943), तर्क का तूफान (1944), भस्मावृत चिनगारी (1946), वो दुनिया (1948), फूलों का कुर्ता (1949), धर्मयुद्ध (1950), उत्तराधिकारी (1951), चित्र का शीर्षक (1951) उत्तमी की माँ (1955), तुमने क्यों कहा था मैं सुंदर हूँ (1950), सच बोलने की भूल (1962) खच्चर और आदमी (1965), भूख के तीन दिन (1968)

* प्रमुख कहानियाँ:- परदा, मक्रील, दुःख, डॉक्टर, एक सिगरेट, 420, 80/100, मक्खी या मकड़ी, पराया सुख, लैम्पशेड, चित्र का शीर्षक, कलाकार की आत्महत्या, भस्मावृत्त चिनगारी, चौरासी लाख जोनि इत्यादि।

* परदा:- नबाबी जीवन की त्रासदी एवं गरीबी का यथार्थ अंकन।

• यात्रा साहित्य:- • लोहे की दीवार के दोनों ओर (1953)
• राह बीती (1956)

• पत्र साहित्य:- • यशपाल के पत्र (1977) - मधुरेश द्वारा संपादित

• संस्मरण:- • यशपाल: कुछ संस्मरण (1990) - संपादक - कमल किशोर गोयनका

• आत्मकथा:- • सिंहावलोकन (1951)

• डायरी:- • मेरी जेल डायरी - (2014)

• पुरस्कार:- • सोवियत लैंड पुरस्कार (1970) -
• मंगला प्रसाद पारितोषिक (1971)
• साहित्य अकादमी (1976) - मेरी तेरी उसकी बात

• निबंध:- ~~प्रस्तुत प्रश्न (1936)~~ न्याय का संघर्ष (1940), बात-बात में बात (1950), देखा सोचा समझा (1951), चक्कर क्लब, गाँधीवाद की शव परीक्षा, राज्य की कथा।